

कक्षा : सातवीं : गतिविधि

परिचय

पूरक-पाठ्यपुस्तक	बाल महाभारत कथा
पाठ	भीम
शीर्षक	द्वेष का परिणाम
समय	दो कालांश
प्रकार	सामूहिक
विद्यार्थी संख्या	आठ
कौशल	चरित्र निर्माण ,सहयोग भाव ,द्वेष निवारण, अभिनय
आवश्यक सामग्री	रंगीन कागज़ और कलम, पात्रानुसार कपड़े, प्रस्तुति में सहायक प्रॉप, कार्यपत्र

चरण:-

1.शैक्षिक अधिगम:-

- * विद्यार्थी विशिष्ट व्यक्तित्व के गुणों से प्रभावित हो कर अपने अंदर नैतिक गुणों का विकास कर सकेंगे।
- * विद्यार्थी नाटिका में पात्र प्रस्तुति द्वारा वाक् और अभिनय क्षमता विकसित कर सकेंगे।

2.अध्यापिका गतिविधि :-

- *अध्यापिका कक्षा के विद्यार्थियों को आठ -आठ के समूहों में विभाजित कर गतिविधि के लिए यथोचित निर्देश देंगी।
- *‘दुर्योधन का भीम व अन्य पांडवों के प्रति द्वेष युक्त व्यवहार’ के आधार पर भाई और मित्रों के मध्य द्वेष निवारण का सन्देश देने वाली लगभग 10 मिनट की एक स्वरचित लघु नाटिका लिखने तथा प्रस्तुत करने का निर्देश देंगी।
- *अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी |
- *अंत में अध्यापिका उनकी प्रस्तुति का निर्धारित प्रारूप के आधार पर मूल्यांकन करेंगी |

3. विद्यार्थी -गतिविधि:-

- *कक्षा के विद्यार्थी यथोचित निर्देश प्राप्त कर अपना - अपना समूह चुनेंगे |
- *‘दुर्योधन का भीम व अन्य पांडवों के प्रति द्वेष युक्त व्यवहार’ के आधार पर भाई और मित्रों के मध्य द्वेष-निवारण का सन्देश देने वाली एक स्वरचित लघु नाटिका लिखेंगे और कक्षा में प्रस्तुत करेंगे |
- *सभी विद्यार्थी कार्यपत्र पूरा करेंगे | लिखित साक्ष्य और कार्यपत्र अध्यापिका को देंगे।
- *अंत में विद्यार्थी मूल्यांकन हेतु अपने नाटिका के लिखित साक्ष्य अध्यापिका को प्रस्तुत करेंगे।

4.मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठ: भीम

विद्यार्थी का नाम:

गतिविधि : द्वेष का परिणाम

अनुक्रमांक:

प्रश्न.1. हम जिस रंग का चश्मा पहनते हैं दुनिया वैसी ही दिखाई देती है। बुरे व्यक्ति को सब कुछ बुरा ही दिखता है और अच्छे को अच्छा। बुराई का अंत हमेशा बुरा ही होता है। नीचे दी गई आकृतियों में एक में ऐसे ही खलनायकों के नाम लिखिए तथा दूसरे में अच्छाई की मिसाल नायकों के।

खलनायक	नायक
1.	1.
2.	2.
3.	3.
4.	4.
5.	5.
6.	6.
7.	7.
8.	8.
9.	9.
10.	10.

प्रश्न.2. गांधी जी ने कहा था, 'जो तुम्हारे एक गाल पर थप्पड़ मारे तो आप उसके सामने अपना दूसरा गाल कर दो।' गांधी जी के इस विचार से आप कितने सहमत हैं? अपने विचार लिखिए।
